निदेशक, सीबीआई
द्वारा कहे जाने वाले बिंदु

स्वर्ण जयंती उत्सव के उद्घाटन समारोह के अवसर पर

और

"सुशासनः संस्था, समाज एवं जनसामान्य के सशक्तिकरण"
पर
14वाँ वार्षिक डी.पी. कोहली स्मृति व्याख्यान

द्वारा

श्री प्रणव मुखर्जी,
भारत के राष्ट्रपति

6 अप्रैल, 2013, पूर्वाह्न 1100 बजे

प्लेनरी हॉल, विज्ञान भवन, नई दिल्ली ।

आदरणीय राष्ट्रपति महोदय,
आदरणीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री
आदरणीय राज्यमंत्री (कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन)
मंत्रीमंडल सचिव
सचिव (कार्मिक)
सीबीआई के पूर्व निदेशक
भारत सरकार तथा राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारीगण
सीबीआई परिवार के पूर्व और वर्तमान सदस्य
स्व. श्री डी.पी. कोहली के परिवार के सदस्यगण
डीएसपीई तथा सीबीआई के पूर्व निदेशकों और उनके परिवार के सदस्यगण
प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के मित्रगण
देवियों और सज्जनों

विशिष्ट अतिथिगण,

मैं, आदरणीय राष्ट्रपति महोदय, श्री प्रणव मुखर्जी, जो हमारे बीच सीबीआई के स्वर्ण जयंती उत्सव के उद्घाटन समारोह और हमारे संस्थापक निदेशक, स्व. श्री धर्मनाथ प्रसाद कोहली को श्रद्धांजलि अर्पण करने हेतु 14वाँ वार्षिक डी.पी. कोहली स्मृति व्याख्यान देने के लिए उपस्थित हुए हैं, का स्वागत करने में, मैं अपना सौभाग्य और सम्मान समझता हूँ । मैं, महोदय आपका, समस्त सीबीआई परिवार की ओर से हार्दिक स्वागत करता हूँ ।

2. यह हमारे लिए, वास्तव में, सौभाग्य की बात है कि "सुशासनः संस्था, समाज एवं जनसामान्य का सशक्तिकरण" पर 14वाँ वार्षिक डी.पी. कोहली स्मृति व्याख्यान देने के लिए भारत के राष्ट्रपति, श्री प्रणव मुखर्जी हमारे बीच हैं ।

3. राष्ट्रपति महोदय एक प्रेरणादायक नेता हैं और उन्हें किसी भी परिचय की आवश्यकता नहीं है । पर, यह औपचारिकता मात्र है कि मैं, आपके समक्ष श्री प्रणव मुखर्जी का एक संक्षिप्त जीवनवृत्त प्रस्तुत करूँ जो कि वास्तव में हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है ।

4. श्री मुखर्जी का जन्म पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के एक छोटे से गाँव मिराती में 11 दिसम्बर, 1935 को स्वतंत्रता सेनानी श्री कामदा किंकर मुखर्जी और श्रीमती राजलक्ष्मी के पुत्र के रूप में, एक साधारण परिवार में हुआ । श्री मुखर्जी ने कोलकाता विश्वविद्यालय से इतिहास और राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्री के साथ साथ विधि की डिग्री प्राप्त की । आप 1969 से राज्य सभा के लिए पाँच बार तथा 2004 के बाद लोक सभा के लिए दो बार निर्वाचित हुए । श्री प्रणव मुखर्जी को विदेश, रक्षा, वाणिज्य और वित्त मंत्री के रूप में राष्ट्र की सेवा करने के साथ सुशासन का असाधारण अनुभव है । अत्यंत अध्ययनशील, श्री मुखर्जी ने भारतीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्र निर्माण विषय पर कई पुस्तकें लिखी हैं । 2008 में भारत के दूसरे सर्वोत्कृष्ठ नागरिक सम्मान पद्म विभूषण, 1997 में उत्कृष्ट सांसद सम्मान और 2011 में भारत के उत्कृष्ठ प्रशासक का सम्मान सहित कई पुरस्कार एवं सम्मान से अलंकृत किया गया है । 25 जुलाई, 2012 को श्री प्रणव मुखर्जी ने भारत के 13वें राष्ट्रपति के रूप में पद ग्रहण किया ।

5. आप एक सुविख्यात राजनेता, कुशाग्र विद्वान, उत्कृष्ट प्रशासक, दक्ष राजनयिक के रूप में उच्चतम स्तर पर सुशासन के विषयों पर गहरी अर्न्तदृष्टि होने के कारण आज के व्याख्यान के शीर्षक पर व्याख्यान देने के लिए आप एक आदर्श वक्ता हैं । हम आपसे ज्ञान की बातें जानने को उत्सुक हैं ।

6. आज के इस ऐतिहासिक अवसर पर हम आदरणीय श्री गुलाम नबी आज़ाद, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हैं ।

7. मुझे प्रधानमंत्री कार्यालय और कार्मिक राज्यमंत्री आदरणीय श्री वी. नारायणसामी, जिनका निरंतर सहयोग हमारे लिए हमेशा शक्ति का स्रोत रहा है, उनका स्वागत करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है ।

8. सीबीआई के इतिहास में यह एक ऐतिहासिक क्षण है । इस शीर्ष जाँच एजेंसी के अपने अस्तित्व के 50 वर्ष पूरे होने के उत्सव मनाने के लिए सभी क्षेत्रों से आए प्रतिष्ठित महानुभाव आज यहाँ आकर हमारे साथ जुड़े हैं । इस यादगार दिन पर, सीबीआई के 25वें मुखिया के रूप में यह मेरा परम सौभाग्य है कि मैं, अपने सहकर्मियों और स्वयं की ओर से आप सभी का हार्दिक हार्दिक स्वागत करता हूँ ।

9. मैं अपने सभी पूर्व निदेशकों का भी हार्दिक स्वागत अभिनंदन करता हूँ । आप सभी, वास्तव में, हमारे अपने हैं; और हमारा निमंत्रण स्वीकार कर आप अपने घर आए हैं । मैं, सीबीआई के पूर्व निदेशकों और डीएसपीई के मुखियाओं के परिवार के सदस्यगणों का भी गर्मजोशी से स्वागत करता हूँ, जिनकी हमारे बीच उपस्थिति, हमारे लिए बड़ी ही प्रसन्नता और सौभाग्य की बात है । हम सौभाग्यशाली हैं कि उनमें से कुछ हमारे बीच उपस्थित हैं और इस महान उपस्थिति के प्रतिभागी हैं । मैं, उन लोगों की स्मृति में जो आज हमारे बीच नहीं है, और उनको भी जो हमारे बीच हैं और हमें मंगलाशीश देने के लिए उपस्थित हैं, का अभिवादन एवं नमन करता हूँ ।

10. श्री डी.पी. कोहली, भा.पु.सेवा, एक निष्कलंक सत्यनिष्ठ और प्रतिभाशाली कुशाग्र अधिकारी ने दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना 1955 से 1963 तक तथा बाद में 1963 से 1968 तक सीबीआई को नेतृत्व प्रदान किया । श्री वी.आर. लक्ष्मीनारायण, भा.पु.सेवा, पूर्व पुलिस महानिदेशक, तमिलनाडु, जिन्होंने सीबीआई में स्व. श्री डी.पी. कोहली के साथ पुलिस अधीक्षक और पुलिस उपमहानिरीक्षक के रूप में कार्य किया था, को इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया था लेकिन अस्वस्थ होने के कारण वह उपस्थित नहीं हो सके । तथापि, उन्होंने मुझसे पत्र लिख कर श्री डी.पी. कोहली के बारे में निम्नलिखित शब्द व्यक्त किए, जिसे कहने में मैं सम्मानित महसूस करता हूँ:-

"कोहली एक ऐसे महान व्यक्ति थे जैसे कि एफबीआई के बिना हूवर और वे भारत के अति महत्वपूर्ण पुलिस अधिकारी थे । श्री कोहली ने सर्वोच्च न्यायालय की पुलिस प्रशासन एवं अन्वेषण की स्वतंत्रता के सम्बंध में दी गई सलाह का पालन किया और अपने समय पर उनको इस दृढ़ता से लागु किया कि मंत्रालयी प्रतिक्रिया या सरकार के निर्देशों के संबंध में हमें पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़ा । आपराधिक प्रक्रिया संहिता हमारी बाईबल थी । कोहली को अपने शब्दों में व्यक्त करने के लिए, मैं मैकाले के शब्दों को प्रयोग करना चाहुँगा - 'वह निश्चित रूप से एक बहुत महान व्यक्ति था । होमर निश्चित तौर पर वीरता का प्रथम कवि नहीं था, शेक्शपीयर निश्चित तौर पर पहला नाटककार नहीं था, डेमोस्थनीज़ निश्चित तौर पर प्रथम वक्ता नहीं था, फिर बॉसवेल प्रथम जीवन-लेखक है । उनका कोई सानी नहीं है । वह अपने सभी प्रतिद्वंदियों से निश्चित रूप से इतना आगे हैं कि वे प्रतियोगिता से परे हैं । ग्रहण प्रथम है, और बाकी कुछ नहीं ।' "

अपने सामर्थ्य और चरित्रबल पर, श्री डी.पी. कोहली ने इस संस्थान की एक मज़बूत नींव रखी, जो आज संसद का विश्वास, न्यायालय का अनुमोदन और सर्वोपरि राष्ट्र के जनसामान्य का भरोसा जीतने में सक्षम रहा है । इस प्रतिष्ठा के लिए हम श्री डी.पी. कोहली और उनके उत्तरोत्तर निदेशकों और असंख्य अधिकारियों और कार्मिकों के ऋणी हैं, जिन्होंने पाँच दशकों से अथक और निस्वार्थ भाव से सीबीआई की सेवा की है । यह हमारे लिए चुनौती और कर्तव्य दोनों है कि हम प्रतिष्ठा को बनाए रखें और अपराध और भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु स्वयं को पुनःसमर्पित करें ।

11. स्वर्ण जयंती हमारे लिए आत्मविश्लेषण का भी एक अवसर है । हालाँकि आज की सीबीआई के पास विश्वस्तरीय प्रवर्तन एजेंसी की नींव है, हमें परिस्थितियों के गतिशील बदलाव को भी ध्यान में रखना होगा । भ्रष्टाचार के विरूद्ध देश में जनसमूह ने आवाज़ बुलंद की है । जनसामान्य की अपेक्षा है कि हम प्रभावी एवं तीव्रता से कार्यवाही करें । सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुई प्रगति हमारे अधिकतर कार्यों को व्यापक रूप से प्रभावित कर रही है । नए युग के साइबर और आर्थिक अपराध, नई दक्षताओं और मौजूदा ज्ञान के निरंतर अद्यतन की आवश्यकता पर बल देते हैं । भ्रष्टाचार निरोध अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सम्बंधों की मुख्यधारा की ओर बढ़ रहा है । आशियान, युरोपियन यूनियन और सार्क सदस्य देशों के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ती संलिप्तता हमारी कार्य प्रकृति को वृहद तौर पर प्रभावित कर रहा है । परस्पर विधिक सहयोग (एमएलए) अनुरोध, अन्वेषण सम्बंधी पत्र (एलआर), बहुराष्ट्रीय कम्पनियों (एमएनसी) द्वारा भ्रष्टाचार, प्रत्यर्पण और बहु-क्षेत्राधिकारीय अन्वेषण के परिमाण एवं जटिलता में वृद्धि होनी निश्चित है । संक्षिप्त में, सीबीआई को विश्व भर में कार्य करने के लिए तैयार रहना होगा । यह तभी संभव हो सकता है जब वाँछित मानव और व्यवस्था की क्षमता का उचित उपयोग के साथ साथ भविष्य की स्पष्ट दृष्टि हो । मौजूदा मामलों का समग्र मूल्यांकन कर, भविष्य के सीबीआई के निर्माण की योजना बनाने में हम स्वर्ण जयंती वर्ष का उपयोग करेंगे, जो विश्व की श्रेष्ठतम विधि प्रवर्तन एजेंसी के समतुल्य हो । इन सब के लिए हमें सरकार के सहयोग की आवश्यकता होगी जिसका मुझे विश्वास है कि प्राप्त होगी ।

12. मैं वर्ष 2013-14 के दौरान स्वर्ण जयंती उत्सव हेतु हमारे प्रस्तावित रोड मैप को आपके साथ बाँटना चाहता हूँ । स्वर्ण जयंती समारोह हमारे प्रतिष्ठित कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्री के संरक्षणाधीन कार्यक्रमों के एक श्रंखला के रूप में मनाया जाएगा । यह योजना है कि केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के इतिहास और कार्यों को झलकियों के माध्यम से जनसामान्य से सम्पर्क स्थापित किया जाए । पहली बार, सीबीआई अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार निरोधक सम्मेलन का आयोजन करेगा जिसमें अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय विधिक प्रवर्तन निकायों के विशेषज्ञों के साथ साथ योजना आयोग, प्रवर्तन निदेशालय, एफआईयू, सेबी इत्यादि जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा । अन्वेषण, तकनीकी और फॉरेंसिक के मानकों और पद्धतियों को निरंतर उन्नत बनाने के लिए, हमारी इच्छा है कि, एक ऐसे तंत्र की शुरूआत विख्यात संस्थानों जैसे राष्ट्रीय विधि विश्वद्यिालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान के सहयोग से हो, जो हमारे कार्यों के विभिन्न क्षेत्रों में शोध को बढ़ावा दे । कर्मियों के ज्ञान और दक्षता को उन्नत बनाने हेतु सीबीआई अकादमी विश्व स्तरीय प्रशिक्षण निकायों के साथ एमओयू पर कार्य करेगा । आगामी सप्ताहों और महीनों में हम आपके साथ और विवरण साझा करेंगे ।

13. हम आदरणीय राष्ट्रपति जी के मार्गदर्शन और दिशानिर्देश हेतु उन्हें सुनने के लिए उत्सुक हैं ।

14. पुनः स्वर्ण जयंती समारोह के उद्घाटन और 14वें वार्षिक डी.पी. कोहली स्मृति व्याख्यान के अवसर पर आप सभी प्रतिष्ठित अतिथियों का हार्दिक स्वागत करता हूँ ।

धन्यवाद ।

जय हिन्द